Dr Manjeet

Diary No. 409
Date 10.06.20
Dayanand Mahila Mahavidyalaya
Kurukshetra

गुरु ब्रह्मानन्द कन्या महाविद्यालय, अन्जनथली (करनाल)

हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित

राष्ट्रीय निबन्ध प्रतियोगिता (ऑनलाईन)

विषय :-

1.कोविड-19 और बदलता सामाजिक प्रवेश।

2.कोविड-19 और शिक्षा पद्धति में बदलाव।

3.कोविड-19 और देश की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव।

नियम व शर्तें :-

1.प्रतियोगिता में सभी महाविद्यालयों के स्नातक विद्यार्थी भाग ले सकते हैं।

2.उपरोक्त दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर अपना निबंध लिखें ।

3.सभी प्रतिभागी अपना नाम, पिता का नाम, अनुक्रमांक, कक्षा, महाविद्यालय का नाम, दूरभाष नम्बर व ई-मेल पता निबंध पर लिखना अनिवार्य हैं ।

4.सभी प्रतिभागियों को अपना महाविद्यालय पहचान पत्र की प्रतिलिपि सलग्न करना आवश्यक है अन्यथा उसकी प्रतिभागिता निरस्त की जा सकती है ।

5.सभी प्रतिभागियों को अपना निबंध महाविद्यालय की ई-मेल gbnkmva15@gmail.com या नीचे दिए गए व्हाट्स एप्प नम्बर पर दिनाक 25 जून, 2020, सांय 5-00 बजे तक भेज सकते हैं ।

6.निबंध हस्तलिखित और टाइप करके भेज सकते हैं ।

7.निबंध की सीमा 800 से 1000 शब्दों में होनी चाहिए ।

8.प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 1000 रुपये द्वितीय 750 रुपये और तृतीय पुरस्कार 550 रुपये दिये जायेंगे तथा सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र दिये जायेंगे ।

9.प्रतियोगिता का परिणाम 30 जून, 2020 को घोषित किया जाएगा ।

संयोजक :
डा0 ऊषा रानी
हिन्दी विभाग
मो. 99927 31992

प्राचार्य
एस0बी0 मैहला
मो. 94665 66417

Date .....

Topic .....

कोविड-19 और बदलता सामाजिक परिवेश

भूमिका ▶ कोरोना वायरस से आज न केवल भारत बल्कि पूरा विश्व जूझ रहा है। वर्तमान समय संघर्ष का समय है। कोरोना संकट सिर्फ आर्थिक व्यवस्था को ही नहीं बल्कि राजनीति, देशों के आपसी संबंधों से लेकर हमारे सामाजिक-व्यक्तिगत संबंधों तक को बदलने वाला साबित हो सकता है। हमें अक्सर सुनने में आता है कि 'मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है' क्योंकि समाज में रहकर ही वह नियमों, मूल्यों, एवं आदर्शों का पालन करना सीख-ता है। परन्तु वर्तमान समय में समाज से दूरी बनाये रखने में ही समझदारी है। वर्तमान समय चुनौतियों का समय है। इन चुनौतियों का सामना हम सभी को मिल कर करना है। कोरोना वायरस की महामारी से निजात पाने के लिए 'सामाजिक-दूरी' ही एक मात्र उपाय है। कोरोना वायरस ने सामाजिक परिवेश पर बहुत गहरा प्रभाव छोड़ा है। लॉकडाउन जैसे निर्णयों से आज बच्चों से लेकर बुज़ुर्ग तक सभी अपने-अपने घरों में बैठने के लिये मजबूर हैं लेकिन जिस प्रकार एक ही सिक्के के दो पहलू होते हैं उसी प्रकार लॉकडाउन के भी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलते हैं आज की भागदौड़ भरी जिन्दगी में जहाँ लोगों को अपने परिवार के लिये समय तक नहीं था लॉकडाउन की वजह से हर व्यक्ति को अपने परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिला है। अब हर कोई अपने स्वास्थ्य का ध्यान रख सकता है। दूसरी ओर यदि कोरोना महामारी की वजह से किसी परिवार में से कोई एक सदस्य मृत्यु को प्राप्त हो जाता है तो वहाँ इसका एक नकारात्मक प्रभाव देखने में आता है क्योंकि कई बार वही सदस्य बीमारी की चपेट में आ जाता है जिस पर पूरे परिवार की जिम्मेदारी होती है। ऐसी स्थिति में परिवार में बच्चों का भविष्य धुंधला जाता है। कोरोना वायरस की चपेट में आने से न जाने कितने ही परिवारों में मातम छा गया है। इसका कहीं न कहीं प्रभाव

Teacher's Signature .....

Topic ..... Date .....

निर्वहन करना होगा। आज भले ही हम घरों में बैठे ऊब रहे हैं। लेकिन लॉकडाउन जैसे निर्णय हमारे स्वास्थ्य व सुरक्षा के लिये ही लिये गए हैं। सरकार एवं सुरक्षा उपाय संबंधित निर्देशों का कड़ाई से पालन करना होगा। सामाजिक दूरी बनाए रखकर कोरोना वायरस के नकारात्मक सामाजिक प्रभावों से बचना है।

निष्कर्ष ▶ अतः हम कह सकते हैं कि कोरोना वायरस महामारी ने सामाजिक परिवेश में बहुत बदलाव ला दिया है। इन बदलावों ने समाज को सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ही तरह से प्रभावित किया है। लम्बे समय से चले आ रहे लॉकडाउन के द्वारा हमें घर बैठे ही इस बीमारी से बचने के सारे उपाय पता चल चुके हैं। अब हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम इन सभी उपायों का पालन करके स्वयं को व दूसरों को स्वस्थ रखें। सामाजिक दूरी बनाए रखें और अपने स्वास्थ्य को अच्छा बनाएं।

घर में रहें, स्वस्थ रहें, सुरक्षित रहें।

दयानन्द महिला महाविद्यालय (कुरुक्षेत्र)

नाम - संगीता

कक्षा - बी.ए. तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक - 1531420034

पिता का नाम - श्री सतपाल सिंह

मॉबाइल नम्बर - 86078-86040

E-mail Id - Kavyasingh9443@gmail.Com

Teacher's Signature .....